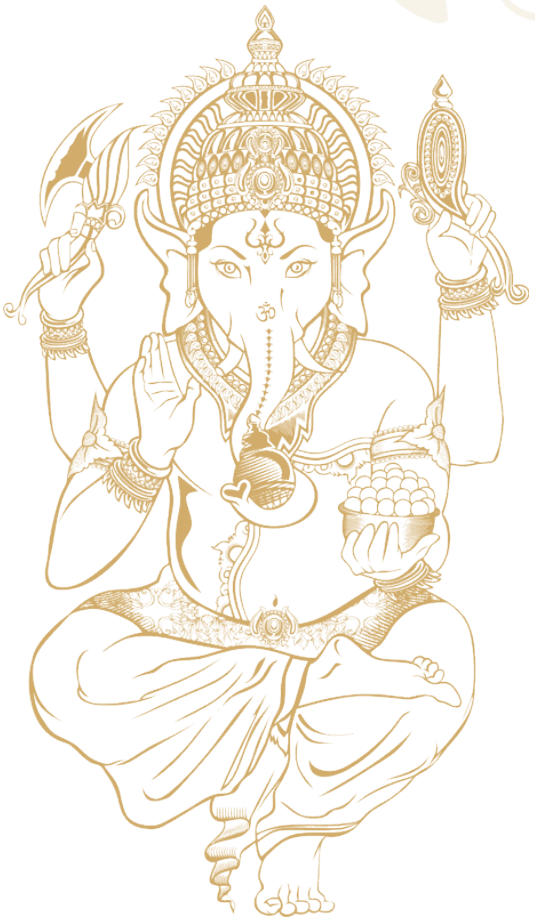

Ms. Reshu Gautam

09 Sep 1994

07:05 PM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121051907

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/09/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:05:00 घंटे**
इष्ट	32:40:59 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:47:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:31 घंटे
साम्पातिक काल	18:00:29 घंटे
सूर्योदय	06:00:36 घंटे
सूर्यास्त	18:29:48 घंटे
दिनमान	12:29:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:51:34 सिंह
लग्न के अंश	06:23:10 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	06:23:10	505:55:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			सिंह	22:51:34	00:58:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			तुला	14:09:56	14:28:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	21:20:40	00:37:01	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	14:17:45	01:27:10	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			तुला	17:23:09	00:10:01	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	07:44:50	00:49:07	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	14:37:36	00:04:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	22:43:22	00:00:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	22:43:22	00:00:55	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:48:31	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:55:50	00:00:44	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:49:50	00:01:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			धनु	06:19:35	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:11

लग्न-चलित

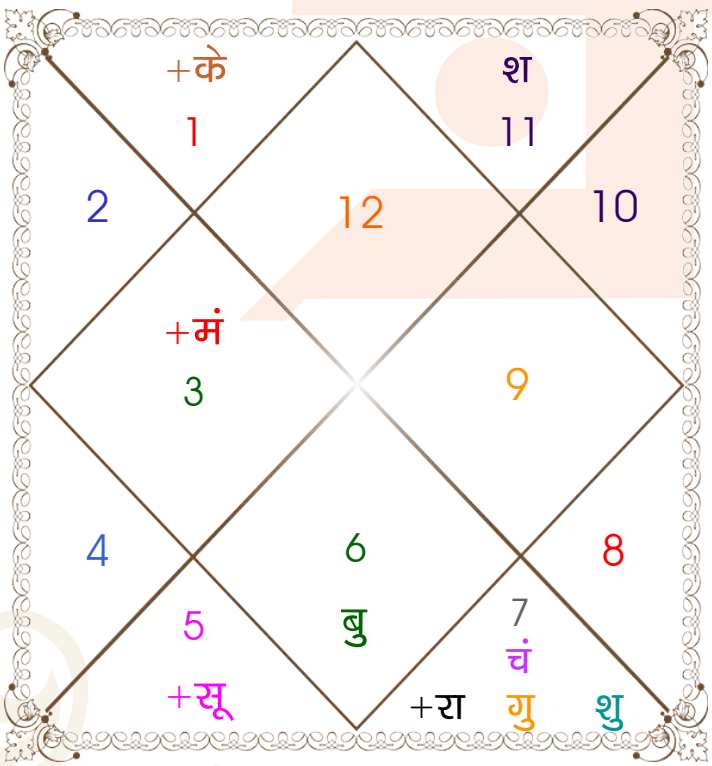

चन्द्र कुंडली

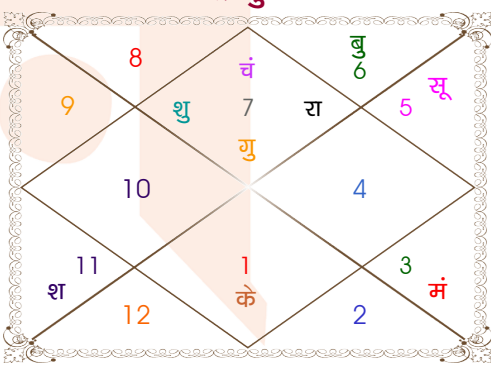

नवमांश कुंडली

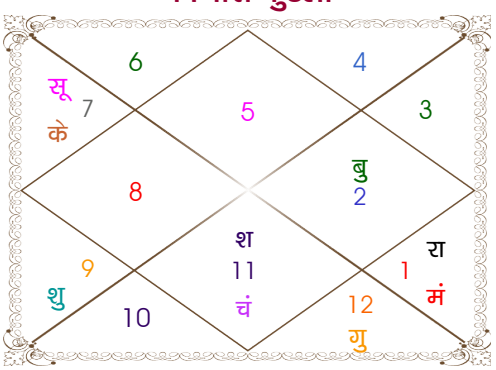

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 10 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/09/1994		26/07/2002		26/07/2018		26/07/2037		26/07/2054	
26/07/2002		26/07/2018		26/07/2037		26/07/2054		26/07/2061	
	00/00/0000	गुरु	12/09/2004	शनि	29/07/2021	बुध	23/12/2039	केतु	22/12/2054
	00/00/0000	शनि	27/03/2007	बुध	07/04/2024	केतु	19/12/2040	शुक्र	21/02/2056
	09/09/1994	बुध	02/07/2009	केतु	17/05/2025	शुक्र	20/10/2043	सूर्य	28/06/2056
बुध	25/01/1995	केतु	07/06/2010	शुक्र	16/07/2028	सूर्य	25/08/2044	चंद्र	27/01/2057
केतु	12/02/1996	शुक्र	05/02/2013	सूर्य	28/06/2029	चंद्र	24/01/2046	मंगल	25/06/2057
शुक्र	12/02/1999	सूर्य	25/11/2013	चंद्र	28/01/2031	मंगल	22/01/2047	राहु	14/07/2058
सूर्य	07/01/2000	चंद्र	27/03/2015	मंगल	08/03/2032	राहु	10/08/2049	गुरु	20/06/2059
चंद्र	08/07/2001	मंगल	02/03/2016	राहु	13/01/2035	गुरु	16/11/2051	शनि	29/07/2060
मंगल	26/07/2002	राहु	26/07/2018	गुरु	26/07/2037	शनि	26/07/2054	बुध	26/07/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/07/2061		26/07/2081		26/07/2087		26/07/2097		27/07/2104	
26/07/2081		26/07/2087		26/07/2097		27/07/2104		00/00/0000	
शुक्र	24/11/2064	सूर्य	12/11/2081	चंद्र	26/05/2088	मंगल	22/12/2097	राहु	09/04/2107
सूर्य	25/11/2065	चंद्र	14/05/2082	मंगल	25/12/2088	राहु	10/01/2099	गुरु	01/09/2109
चंद्र	26/07/2067	मंगल	19/09/2082	राहु	26/06/2090	गुरु	16/12/2099	शनि	08/07/2112
मंगल	24/09/2068	राहु	14/08/2083	गुरु	26/10/2091	शनि	25/01/2101	बुध	10/09/2114
राहु	25/09/2071	गुरु	01/06/2084	शनि	26/05/2093	बुध	22/01/2102		00/00/0000
गुरु	26/05/2074	शनि	14/05/2085	बुध	25/10/2094	केतु	21/06/2102		00/00/0000
शनि	26/07/2077	बुध	20/03/2086	केतु	26/05/2095	शुक्र	21/08/2103		00/00/0000
बुध	26/05/2080	केतु	26/07/2086	शुक्र	24/01/2097	सूर्य	27/12/2103		00/00/0000
केतु	26/07/2081	शुक्र	26/07/2087	सूर्य	26/07/2097	चंद्र	27/07/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल

देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।